बाबा मुक्तानन्द द्वारा दी गईं सिखावनियाँ

बाबा मुक्तानन्द की महासमाधि २०१८, के सम्मान में उनकी एक सिखावनी

सिखावनी #३ :

यदि तुम्हारी ललक सच्ची है तो यह अत्यन्त मूल्यवान है। इसी गहन चाह को, इसी तीव्र ललक को समस्त दार्शनिक पद्धतियों में सबसे ऊँचा स्थान दिया गया है। इसे मुमुक्षुत्व या मोक्ष की ललक कहते हैं और यह एक साधक का सबसे महान गुण है, बौद्धिक कुशाग्रता या किसी कलात्मक प्रतिभा से भी महान।

~ बाबा मुक्तानन्द

© २०१८ एस. वाय. डी. ए. फ़ाउन्डेशन®। सर्वाधिकार सुरक्षित।

[१]स्वामी मुक्तानन्द, *From the Finite to the Infinite,* पृ. ४।